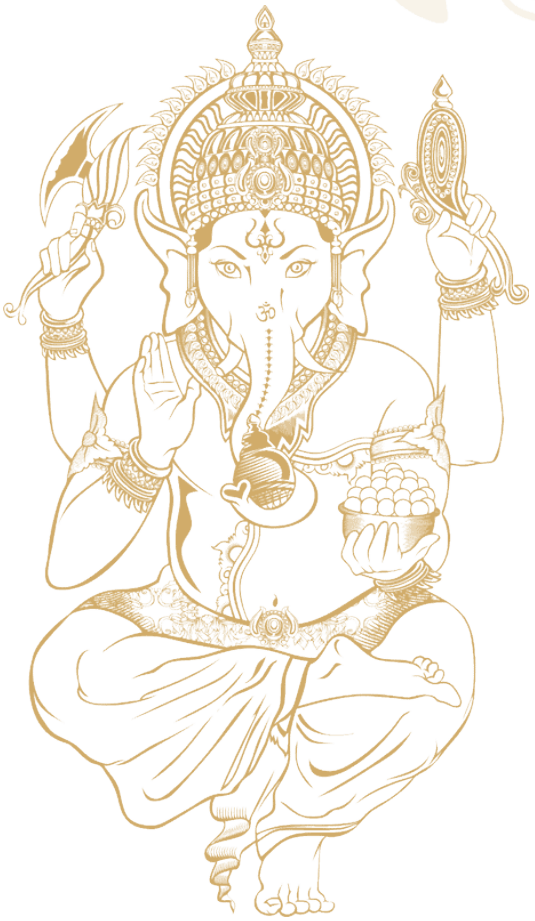

30 Aug 2001

02:15 PM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121102907

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/08/2001**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**14:15:00 घंटे**
इष्ट	20:48:58 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:59:16 घंटे
वेलान्तर	-00:00:40 घंटे
साम्पातिक काल	12:33:44 घंटे
सूर्योदय	05:55:24 घंटे
सूर्यास्त	18:36:50 घंटे
दिनमान	12:41:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	13:10:28 सिंह
लग्न के अंश	02:57:05 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सौभाग्य
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	02:57:05	327:25:16	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	13:10:28	00:58:00	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	04:36:57	11:54:19	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
मंगल			धनु	01:37:02	00:26:59	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			कन्या	03:37:49	01:31:11	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	उच्च राशि
गुरु			मिथु	15:47:49	00:10:07	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	09:55:14	01:11:33	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			वृष	20:24:27	00:02:55	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	10:43:13	00:04:03	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	10:43:13	00:04:03	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	28:24:14	00:02:17	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	12:42:54	00:01:21	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	18:40:34	00:00:13	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कन्या	15:17:57	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:33

लग्न-चलित

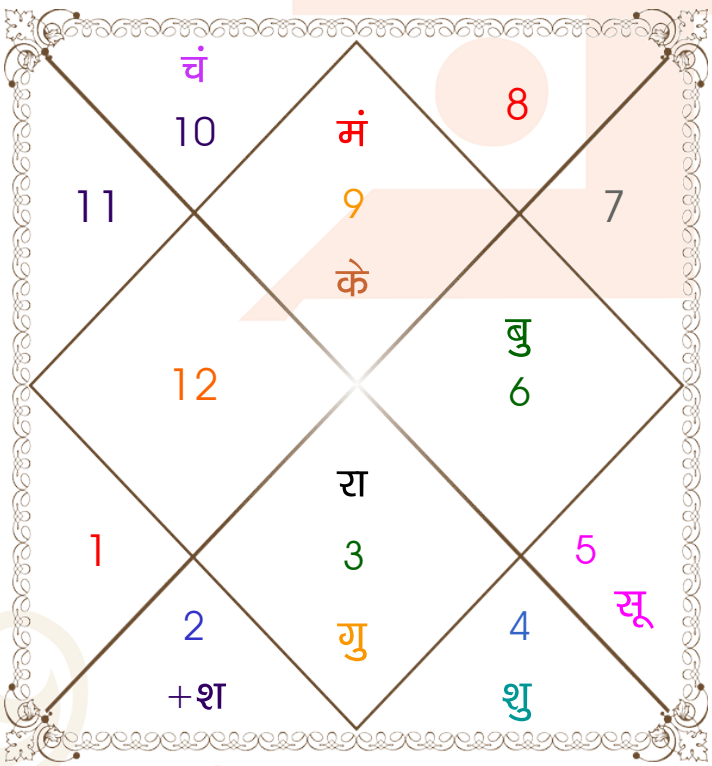

चन्द्र कुंडली

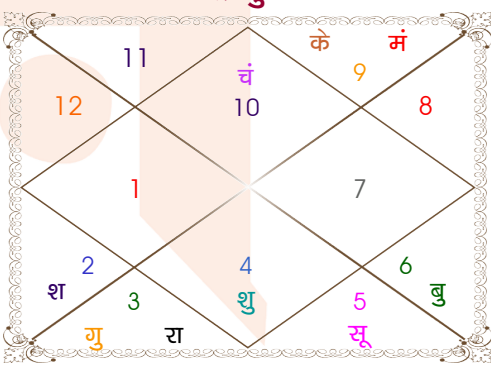

नवमांश कुंडली

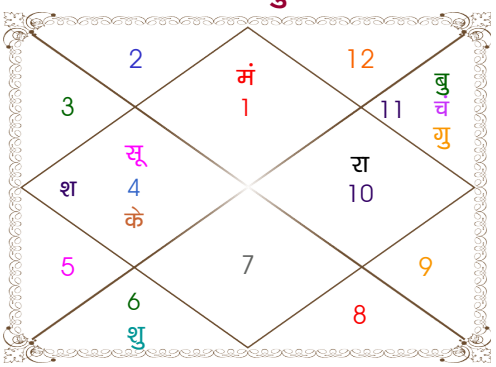

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 5 मास 2 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/08/2001		01/02/2004		01/02/2014		31/01/2021		01/02/2039	
01/02/2004		01/02/2014		31/01/2021		01/02/2039		01/02/2055	
	00/00/0000	चंद्र	01/12/2004	मंगल	30/06/2014	राहु	14/10/2023	गुरु	21/03/2041
	00/00/0000	मंगल	02/07/2005	राहु	18/07/2015	गुरु	09/03/2026	शनि	02/10/2043
	00/00/0000	राहु	01/01/2007	गुरु	23/06/2016	शनि	13/01/2029	बुध	07/01/2046
	00/00/0000	गुरु	02/05/2008	शनि	02/08/2017	बुध	02/08/2031	केतु	14/12/2046
	30/08/2001	शनि	02/12/2009	बुध	30/07/2018	केतु	20/08/2032	शुक्र	14/08/2049
शनि	20/11/2001	बुध	03/05/2011	केतु	26/12/2018	शुक्र	21/08/2035	सूर्य	02/06/2050
बुध	26/09/2002	केतु	02/12/2011	शुक्र	25/02/2020	सूर्य	14/07/2036	चंद्र	02/10/2051
केतु	01/02/2003	शुक्र	02/08/2013	सूर्य	02/07/2020	चंद्र	13/01/2038	मंगल	07/09/2052
शुक्र	01/02/2004	सूर्य	01/02/2014	चंद्र	31/01/2021	मंगल	01/02/2039	राहु	01/02/2055

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/02/2055		01/02/2074		01/02/2091		01/02/2098		02/02/2118	
01/02/2074		01/02/2091		01/02/2098		02/02/2118		00/00/0000	
शनि	04/02/2058	बुध	29/06/2076	केतु	30/06/2091	शुक्र	03/06/2101	सूर्य	22/05/2118
बुध	14/10/2060	केतु	26/06/2077	शुक्र	29/08/2092	सूर्य	03/06/2102	चंद्र	21/11/2118
केतु	23/11/2061	शुक्र	26/04/2080	सूर्य	04/01/2093	चंद्र	02/02/2104	मंगल	29/03/2119
शुक्र	22/01/2065	सूर्य	03/03/2081	चंद्र	05/08/2093	मंगल	03/04/2105	राहु	20/02/2120
सूर्य	04/01/2066	चंद्र	02/08/2082	मंगल	01/01/2094	राहु	03/04/2108	गुरु	09/12/2120
चंद्र	05/08/2067	मंगल	30/07/2083	राहु	20/01/2095	गुरु	03/12/2110	शनि	31/08/2121
मंगल	13/09/2068	राहु	16/02/2086	गुरु	27/12/2095	शनि	02/02/2114		00/00/0000
राहु	21/07/2071	गुरु	24/05/2088	शनि	03/02/2097	बुध	02/12/2116		00/00/0000
गुरु	01/02/2074	शनि	01/02/2091	बुध	01/02/2098	केतु	02/02/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 5 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।